सेमीनार/ परिचर्चा

"1857 की कांति और वीर नारायण सिंह"

आज दिनांक 10 दिसंबर 2020 को इतिहास अध्ययनशाला के सभागार, पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.) में छत्तीसगढ़ के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद वीर नरायण सिंह जी के 163 वें बलिदान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर "1857 की कांति और वीर नारायण सिंह" विषय पर परिचर्चा रखा गया था। इस परिचर्या में मुख्यवक्ता प्रो. रमेन्द्र नाथ मिश्र पूर्व अध्यक्ष इतिहास अध्ययन शाला, विशिष्ट अतिथि प्रो.एम. ए.खान पूर्व अध्यक्ष इतिहास अध्ययनशाला, एंव प्रो.के.के.अग्रवाल, उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ इतिहास परिषद रहें। कार्यकम की अध्यक्षता माननीय प्रो.केशरी लाल वर्मा, कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर ने की।

इस अवसर पर मुख्यवक्ता के रूप में प्रो.रमेन्द्र नाथ मिश्र ने कहा कि वीर नारायण सिंह पर उन्होंनें पी.एच.डी. शोधकर्ता कराये हैं तथा छत्तीसगढ़ के प्रथम शहीद के रूप में उनका अन्वेषण किया हैं। उन्होंनें कहा कि वीर नरायण सिंह के परिवार से मिलने वे स्वंय गये थें तथा उन्हें शासन स्तर पर उनकें परिवार को आर्थिक सहायता पहुंचाने की बात कहीं थी परिणाम स्वरूप पेंशन राशि सुनिश्चित किया गया हैं।

विशिष्ट वक्ता प्रो. एम.ए.खान ने कहा कि वीर नरायण सिंह द्वारा किया गया विद्रोह कृषक विद्रोंह के रूप में था क्योंकि 1856 में छत्तीसगढ़ में अकाल के परिणामस्वरूप जनता परेशान रही जिसके मदद हेतु वीर नारायण सिंह ने किसानों व मजदूरों को साथ लेकर अंग्रेजीं शासन से लड़ाई लड़ी थी ।

विशिष्ट वक्ता प्रो.के.के अग्रवाल ने बताया कि जिस समय वीर नरायण सिंह विद्रोंह किये थे उस समय छत्तीसगढ़ के अन्य रियासतों में ब्रिटिश शासन के विरूद्ध खड़ें होने की हिम्मत मिली तो नहीं दिखाई । वीर नरायण सिंह कें बगावत के बाद भारत के अन्य रियासतों व जमींदारियों में सामाजिक आर्थिक विद्रोंह के रूप में घटनाएं घटी।

परिचर्चा में कार्यकम की अध्यक्षता करतें हुए प्रो.केशरी लाला वर्मा, कुलपति ने कहा कि वीर नरायण सिंह एक आदिवासी समाज से थें तथा उनमें राष्ट्र प्रेम के प्रति चेतना वाकई प्रशंसनीय हैं, इस बारे में और अनेक लेख एंव शोधकार्य प्रकाशित होना चाहिएं तथा नयें तथ्यों का समावेश कर छत्तीसगढ़ के इतिहास को राष्ट्रीय स्तर पर लाना होगा।

इस अवसर पर प्रो.आभा रूपेन्द्र पाल विभागाध्यक्ष इतिहास अध्ययन शाला ने कुलपति एंव मुख्यवक्ता का परिचय दिया ।

इस अवसर पर इतिहास अध्ययन शाला द्वारा प्रो. रमेन्द्र नाथ मिश्र को छ.ग. राज्य अलंकरण "पं. रविशंकर शुक्ल सम्मान 2020" प्राप्त होने पर उन्हें सम्मानित किया गया

तथा यह बताया कि यह सम्मान सिर्फ इतिहास अध्ययनशाला के लिये ही नहीं बल्कि पूरे पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के लिये भी गौरव का विषय हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अनेक प्राध्यापक प्रो.प्रियंवदा श्रीवास्तव प्रो. बथीर हसन, प्रो.ए.के.पाण्डे, प्रो.आर.ब्रह्मे, प्रो. दिनेश नंदनी परिहार, डॉ. निस्तार कुजुर, डॉ.पी.डी. सोनकर डॉ मधु, डॉ बी.एल.सोनकर एंव अनेक शोधार्थी उपस्थित थें।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ, डी.एन.खुटे सहायक प्राध्यापक तथा आभार प्रदर्शन डॉ. बंशो नुरूटी सहायक प्राध्यापक ने किया।

10/12/2020
डॉ. बंशो नुरूटी

10.12.2020
डॉ. डी.एन.खुटे